आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 17.02.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- उत्तराखंड विधानसभा सत्र के दौरान सदन के भीतर मोबाइल फोन के उपयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा।
- बढ़ते साइबर अपराधों पर रोक लगाने के लिए प्रदेश में जल्द ही दो नए साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन खोले जाएंगे।
- राज्य के गणित शिक्षकों को उन्नत शिक्षण तकनीकों से परिचित कराने के उद्देश्य से यूसर्क और आईसर मोहाली के बीच एम.ओ.यू. हुआ है।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने प्रस्तावित मुखबा और हर्षिल भ्रमण के दौरान जनकताल ट्रैक और मुलिंगना पास ट्रैक का शिलान्यास करेंगे।

सदन में मोबाइल पर रोक

उत्तराखंड विधानसभा सत्र के दौरान अब सदन के भीतर मोबाइल फोन के उपयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। विधानसभा अध्यक्ष रितु खंडूरी भूषण ने इस संबंध में स्पष्ट आदेश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा कारणों और संसदीय मर्यादा को ध्यान में रखते हुए सदन के भीतर किसी भी सदस्य या कर्मचारी को मोबाइल फोन का उपयोग करने की अनुमति नहीं होगी।

विधानसभा अध्यक्ष रितु खंडूरी ने कहा कि यदि किसी मंत्री या सदस्य को प्रश्नों के उत्तर के लिए मोबाइल फोन की आवश्यकता होती है, तो उन्हें सदन के बाहर जाकर ही इसका उपयोग करना होगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पिछले विधानसभा सत्र में सदन के भीतर मोबाइल फोन के इस्तेमाल को लेकर काफी विवाद हुआ था, जिसके बाद यह सख्त निर्णय लिया गया है।

नये साइबर थाने

बढ़ते साइबर अपराधों पर रोक लगाने के लिए प्रदेश में जल्द ही दो नए साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन खुलने जा रहे हैं। उत्तराखंड पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स– एस०टी०एफ ने इस संबंध में शासन को प्रस्ताव भेजा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एस०टी०एफ, नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि साइबर अपराध पर और प्रभावी नियंत्रण के लिए हरिद्वार और नैनीताल में नए साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन खोले जाएंगे। वर्तमान प्रदेश में दो साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन देहरादून और ऊधमसिंह नगर के रुद्रपुर में संचालित हैं। उन्होंने बताया कि देहरादून और रुद्रपुर के मौजूदा साइबर क्राइम पुलिस स्टेशनों में 25 अतिरिक्त पुलिस कर्मियों की तैनाती की जाएगी, जिससे मामलों की जांच में तेजी लाई जा सके।

कुल चार साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन होने से प्रदेश में साइबर अपराध से निपटने में और अधिक दक्षता आएगी और मामलों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित हो सकेगी।

<u>औली कचरा</u>

चमोली जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध पर्यटक स्थल औली में पिछले दिनों हुई बर्फबारी का आनन्द लेने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक पंहुच रहे हैं। लेकिन यहां आने वाले पर्यटकों पर निगरानी न होने के कारण प्लास्टिक का कचरा भी फैलता जा रहा है। हालांकि कुछ पर्यटक पर्यावरण सुरक्षा को लेकर काफी सजग दिखाई दिए। उनका कहना है कि लोगों को कचरे को कूड़ादान में डालना चाहिए या अपने साथ वापस ले जाना चाहिए, ताकि इस स्थान की खुबसूरती बनी रहे।

वहीं, जिलाधिकारी डॉ संदीप तिवारी का इस मामले में कहना है कि नगर पालिका जोशीमठ को चालान की कार्रवाई करने के कहा गया है। उन्होंने कहा कि अनावश्यक वाहनों के संचालन पर पुलिस और प्रशासन की टीम संयुक्त रूप से आवश्यक कार्यवाही करेगी।

<u>शैक्षणिक सहयोग</u>

राज्य के गणित शिक्षकों को उन्नत शिक्षण तकनीकों से परिचित कराने के उद्देश्य से उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) और भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईसर) मोहाली के बीच एक अहम शैक्षणिक सहयोग स्थापित किया गया है। इसी क्रम में, राज्य के विभिन्न जिलों से चयनित 14 गणितीय शिक्षकों को यूसर्क निदेशक प्रोफेसर अनीता रावत ने देहरादून से आईसर मोहाली के लिए रवाना किया।

यूसर्क की निदेशक डॉ. अनीता रावत ने बताया कि यूसर्क और आईसर मोहाली के बीच एक एम०ओ०यू हुआ है, जिसके तहत 17 से 21 फरवरी

2025 तक आईसर मोहाली में मैथेमेटिक्स टीचर्स ओरिएंटेशन कैंप 2025 का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के लिए गूगल फॉर्म के माध्यम से प्रदेशभर के शिक्षकों से आवेदन आमंत्रित किए गए थे, जिनमें से 14 शिक्षकों का चयन किया गया। यूसर्क राज्य में विज्ञान और गणित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। वर्तमान में प्रदेशभर के विद्यालयों में 200 विज्ञान चेतना केंद्र और 82 स्टैम लैब स्थापित की जा चुकी हैं, जो विशेष रूप से दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों में विज्ञान शिक्षा के प्रचार–प्रसार में सहायक सिद्ध हो रही हैं।

<u>ट्रैकिंग मार्ग शिलान्यास</u>

उत्तराखंड के साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने प्रस्तावित मुखबा और हर्षिल दौरे के दौरान जादूंग घाटी में जनकताल ट्रेक और नीलापानी घाटी में मुलिंगना पास ट्रैक का शिलान्यास करेंगे। इन दोनों ट्रेक के शुरू होने से 1962 में भारत–चीन युद्ध के बाद बंद इस घाटी में पर्यटन के नए आयाम खुलेंगे। वहीं इसे लद्दाख की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। गौरतलब है कि भारत–चीन युद्ध के बाद उत्तरकाशी की नेलांग, जादूंग और सोनम घाटियां सैन्य छावनी में तब्दील हो गई थीं, जिससे स्थानीय निवासियों और पर्यटकों की आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई थी।

उत्तरकाशी के जिला अधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने बताया कि वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत जादूंग और नेलांग गांवों को फिर से बसाने के लिए होम स्टे निर्माण कार्य शुरू किया गया है। इससे न सिर्फ

स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा, बल्कि पर्यटन भी नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगा।

तैयारियों का निरीक्षण

उत्तरकाशी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगामी हर्षिल दौरे की तैयारियों का पर्यटन सचिव सचिन कुर्वे ने स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मुखबा और हर्षिल में शीतकालीन प्रवास के लिए किए जा रहे कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की और सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के लिए दिशा–निर्देश दिए। पर्यटन सचिव ने निरीक्षण के दौरान तीर्थ पुरोहितों के साथ मिलकर कार्यक्रम की तैयारी को लेकर गहन विचार–विमर्श किया। उन्होंने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि सभी शेष कार्य त्रुटि रहित और समय पर पूरे किए जाएं, ताकि प्रधानमंत्री का दौरा पूरी तरह से सफल और व्यवस्थित हो।

उन्होंने कहा कि यह दौरा न केवल सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा देगा, बल्कि शीतकालीन यात्रा के माध्यम से वाइब्रेंट विलेज के गांवों को एक नई दिशा भी प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के इस दौरे से न केवल क्षेत्रीय पर्यटन को नया आयाम मिलेगा, बल्कि इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलेगी।